आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

26.03.2024 समय : 1850

- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए अब तक पांच उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।
- आज चार नामांकन पत्र दाखिल किए गए–नामांकन पत्र जमा करने की कल अंतिम तिथि है।
- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की मतदाता सूची में अब तक तीन लाख तेरह हजार आठ सौ अट्ठहतर मतदाताओं के नाम दर्ज हुए है।
- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए राजनीतिक दल चुनाव अभियान के दौरान पचहत्तर लाख रूपये तक खर्च कर सकते हैं।
- इस वर्ष भारत में औसत से अधिक वर्षा होने की संभावना है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए अब तक कुल पांच उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। आज चार नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इनमें अंडमान निकोबार डेमोक्रेटिक कांग्रेस से मनोज पॉल, मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी से डी. अय्यप्पन, ऑल इंडिया अन्ना डी एम के से के. जे. बी सेल्वाराज और बहुजन समाज पार्टी से डॉ. अरूण कुमार मल्लिक शामिल है। नामांकन पत्र दाखिल करने की कल अंतिम तिथि है। नामांकन पत्र दिन में ग्यारह बजे से शाम तीन बजे के बीच दाखिल किए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच अट्ठाईस मार्च को की जाएगी और तीस मार्च तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकते हैं। द्वीपों के पहले चरण के तहत उन्नीस अप्रैल को मतदान कराया जाएगा।

इस बीच, चुनाव से पहले द्वीपों में राजनीतिक सरगर्मियां धीरे–धीरे तेज हो रही है और नेताओं का दूसरे दलों का दामन थामने का सिलसिला शुरू हो चुका है। ज़िला परिषद के पूर्व अध्यक्ष आर. चिताम्बरम अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ आज भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने से पहले उन्होंने रोड शो किया।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की मतदाता सूची में अब तक तीन लाख तेरह हजार आठ सौ अट्ठहतर मतदाताओं के नाम दर्ज हुए है। इनमें एक लाख तिरसठ हजार तीन सौ सैंतीस पुरूष और एक लाख पचास हजार पांच सौ अड़तीस महिला मतदाता है। द्वीपों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बी एस जगलान ने आकाशवाणी के साथ बातचीत में बताया कि दिव्यांगजन मतदाताओं की संख्या दो हजार तीन सौ पचपन, पिचासी वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों की संख्या एक हजार बयालीस तथा अट्ठारह से उन्नीस वर्ष आयु वर्ग के पांच हजार चालीस युवा मतदाताओं के नाम शामिल है। तीन ट्रांसजेंडर भी मतदाता सूची में हैं। श्री जगलान ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान लिंग अनुपात में भी सुधार हुआ है, जो नौ सौ बाईस है। इसका तात्पर्य यह है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। श्री जगलान की गई बातचीत का प्रसारण कल किया जाएगा। लोकसभा चुनाव दो हजार चौबीस की तैयारियां विषय पर श्रोता कल सुबह नौ बजे आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर से बातचीत सुन सकते हैं।

<><><><><><><>

चुनाव आयोग सी–विजिल ऐप के जरिए चुनाव प्रक्रिया पर पैनी नजर रख रहा है। यह ऐप आदर्श आचार संहिता के उल्लंघनों की रिकॉर्डिंग, रिपोर्टिंग और समाधान के लिए है। इस ऐप के जरिए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की फोटो, वीडियो आदि लेकर ऑनलाइन शिकायत की जा सकती है।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए राजनीतिक दल चुनाव अभियान के दौरान पचहत्तर लाख रूपये तक खर्च कर सकते हैं। किए गए खर्चों पर निगरानी रखने के लिए एक व्यय पर्यवेक्षक की नियुक्ति भी की गई है। मतगणना से तीस दिनों के भीतर ऐसे खर्च की अंतिम लेखा जमा करने होंगे। ऐसा नहीं करने पर नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। द्वीपों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से सहयोग की कामना की गई है। राजनीतिक दलों से अनुरोध किया गया है कि वे ई वी एम को चालू करने की प्रकिया, मतदान सामग्रियों की तैयारियों और ई वी एम भेजे जाने के समय चुनाव नियमों के तहत अपने प्रतिनिधियों को भेजे, ताकि ऐसे सभी प्रतिनिधि आश्वस्त हो सके कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराया जा रहा है। द्वीपों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बी एस जगलान ने भी सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और अन्य हितधारकों से प्रजातांत्रिक प्रकिया का पालन करते हुए शांतिपूर्ण चुनाव कराने में योगदान देने की अपील की है। उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान सभी से प्रजातांत्रिक गरिमा को बनाए रखने का अनुरोध करते हुए सभी मतदाताओं से अपील भी की है कि वे मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

<><><><><><><><>

वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और कोविड से संक्रमित या संदिग्ध श्रेणियों के मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने वाले मतदाताओं के लिए अपनाई गई विशेष प्रकिया की जानकारी देने के लिए चलंत मतदान टीम के लिए प्रशिक्षण व आदान–प्रदान सत्र का आयोजन किया गया। डाक मतपत्र के राज्य नोडल अधिकारी अज़ीरूद्दीन ज़हीरूद्दीन क्वाज़ी ने चुनाव आयोग की ओर से ऐसे मतदाताओं के लिए अपनाई गई विशेष प्रकिया की जानकारी देते हुए चलंत मतदान टीम द्वारा इसे लागू करने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति से उन्हें अवगत कराया। टीम के सदस्यों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

<><><><><><><><>

राज्य बाल संरक्षण सोसाइटी की ओर से पिछले दिनों बाल अधिकार और जिम्मेदारी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण निदेशक डॉ. नितिन शाक्या ने इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए द्वीपों के सभी बाल देखभाल केन्द्रों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने को कहा, ताकि बच्चों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान समानता, शिक्षा, स्वच्छता जैसे विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। बच्चों के बीच क्वीज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

<><><><><><><><>

एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग जलवायु केन्द्र के पूर्वानुमान के अनुसार जुलाई से सितंबर तक जब मानसून चरम पर होगा, तब भारत में औसत से अधिक वर्षा होने की संभावना है। जलवायु केन्द्र ने भारत के लिए मानसून का इस वर्ष का पहला पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें अप्रैल से जून और जुलाई से सितंबर के लिए दो अलग–अलग आकलन किये गये हैं। वहीं, हाल ही में ईएनएसओ की ओर से जारी चेतावनी में एल नीनो से ला

नीना की स्थितियों में सुचारू रूप से बदलाव की बात कही गई है। माना गया है कि मानसून की स्थिति में बदलाव इसी पूर्वानुमान पर आधारित है। एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग जलवायु केन्द्र ने जुलाई से सितंबर के लिए अपने पूर्वानुमान में कहा है कि पूर्वी अफ्रीका से अरब सागर तक, भारत में, बंगाल की खाड़ी, इंडोनेशिया, कैरिबियन सागर, ध्रुवीय उत्तरी अटलांटिक, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिणवर्ती प्रशांत क्षेत्र में औसतन सामान्य से अधिक वर्षा की संभावना है। इससे पहले भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युञ्जय महापात्रा ने कहा था कि एल नीनो के कारण इस वर्ष भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि गर्मी के मौसम के बाद एल नीनो निष्क्रिय होने की संभावना है।

<><><><><><><>

प्रथमोपचार, अग्नि से बचाव और आपदा की तैयारियों पर पिछले दिनों तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अग्नि सेवा प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अग्नि व आपात सेवाओं के पुलिस अधीक्षक मंजीत शिवरन ने अग्नि सुरक्षा पर जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से अग्नि सुरक्षा उपाय करने को कहा। प्रतिभागियों से आपात स्थिति में अग्नि सेवा कर्मियों को सहयोग देने और दमकल कर्मियों को आपात स्थिति में अपना समर्थन देने को कहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अंडमान निकोबार अग्नि और आपातकालीन सेवाओं की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। अग्नि दुर्घटना को रोकने और आग लगने की स्थिति में इसको बुझाने के काम आने वाले उपकरणों का भी निदर्शन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समाप्ति पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्रों का वितरण किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेढ़ सौ से अधिक लोगों ने भाग लिया।

<><><><><><><>